॥ श्री ॥
॥ बाबा ॥

मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन नहीं
वह हैं सबसे हसीं , वह हैं सबसे अलग
कहना उनको ना चाँद , या सितारा सुरज
मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन नहीं

मेरे बाबा मौजुद , दुनिया के मेले में
ढुंढते जाओगे तुम , खोज ना पाओगे तुम
मिलते बाबा मेरे है , अकेले मेरे
मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन नही

बाबा गाओगे तुम
बाबा पाओगे तुम
बाबा सोचोगे तुम
बाबा पाओगे तुम
मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन नहीं

बाबा बसते हैं देखो तुम इन्सान में
बाबा बसते हैं देखो तुम भगवान में
बाबा भी बसते हैं , उस शैतान में
मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन नही

बाबा मिलते नहीं इसलिए रोते हो तुम
बाबा दिखते नहीं , खुद को खोते हो तुम
खुद में झाँकोगे तुम बाबा देखोगे तुम
मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन नहीं

मेरे बाबा की तारीफ मुमकीन भी हैं
मैं कौन होता हूँ ये तुमसे कहनेवाला
कहना चाहोगे तुम कहलेना बाबाको
मेरे बाबाकी तारीफ मुमकीन भी हैं

★★★★★